मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 180 ■ शनिवार, 5 अक्टूबर 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now /ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

प्रधानमंत्री मोदी आज ठाणे में

ठाणे-मुंबई में करेंगे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

ठाणे. प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को महाराष्ट्र का एक दिवसीय दौरा करेंगे और वहां वाशिम, ठाणे और मुंबई में विकास की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति के माध्यम से दी। विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी वाशिम में शनिवार को लगभग 23,300 करोड़ रुपये की कृषि और पशुपालन क्षेत्र से संबंधित विभिन्न पहलों का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री वहां बंजारा समुदाय की समृद्ध विरासत की झांकी प्रस्तुत करने के लिए , पीएम बंजारा विरासत संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे।

महाराष्ट्र के इस दौरे में प्रधानमंत्री ठाणे में 32,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि इन परियोजनाओं का मुख्य फोकस क्षेत्र में शहरी गतिशीलता को बढ़ावा देना शामिल है।

शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश बंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से 5 अक्टूबर को घोडबंदर रोड स्थित वालावलकर सभा मैदान बोरीवडे गाव कासारवडवली में 33 हजार करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण योजनाओं का ऑनलाइन भूमिपूजन व उद्घाटन किया जायेगा।इसके साथ ही मुख्यमंत्री मेरी प्यारी बहना योजना का महिला लाभार्थियों का सत्कार किया जायेगा।जिसके तहत खारेगांव टोलनाका, कशेली टोलनाका से ठाणे की ओर आने वाले सभी बड़े वाहनों का 4 अक्टूबर रात 12 बजे से 5 अक्टूबर रात बारह बजे तक प्रवेश बंद है।इसलिए सभी ट्रान्सपोर्ट, वेअर हाऊस संघटन, वाहनचालक इस आदेश का पालन करने के लिए यातायात पुलिस विभाग ने आवाहन किया है।

प्रधानमंत्री मुंबई मेट्रो लाइन 3 चरण-1 के आरे जेवीएलआर से बीकेसी को जोड़ने वाले खंड का कल उद्घाटन करेंगे। वह ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना और एलिवेटेड ईस्टर्न फ्रीवे एक्सटेंशन की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री नवी मुंबई हवाईअड्डा प्रभाव अधिसूचित क्षेत्र (एनए आईएनए) परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे।

शाम करीब चार बजे प्रधानमंत्री ठाणे में 32,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके बाद शाम करीब छह बजे बीकेसी मेट्रो स्टेशन से वह बीकेसी से आरे जेवीएलआर, मुंबई तक चलने वाली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। वह बीकेसी और सांताक्रूज स्टेशनों के बीच मेट्रो में यात्रा भी करेंगे।

वालावलकर सभा मैदान रेड जोन घोषित

ठाणे में 5 अक्टूबर को घोडबंदर रोड स्थित वालावलकर सभा मैदान बोरीवडे गाव कासारवडवली में "मुख्यमंत्री महिला सशक्तीकरण" कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।इसलिए 4 व 5 अक्टूबर को इस परिसर को तत्काल रेड जोन घोषित किया गया है।

स्कूल निदेशक तुषार आप्टे, उदय कोटवाल को मिली जमानत

■ बदलापुर यौन उत्पीड़न मामला

कल्याण. बदलापुर के एक स्कूल में दो लड़कियों के माता-पिता द्वारा नाबालिगों के साथ यौन शोषण की शिकायत के बाद स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए। अब इस मामले में स्कूल संचालक उदय कोटवाल और तुषार आप्टे को जमानत मिल गई है. दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था. लड़कियों के माता-पिता की शिकायत के बाद अक्षय शिंदे को दो बार गिरफ्तार भी किया गया था।

बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में स्कूल के निदेशक उदय कोटवाल और तुषार आप्टे पर स्कूल के सीसीटीवी फुटेज गायब करने और समय पर मामला दर्ज नहीं कराने का आरोप लगा था. बदलापुर पुलिस ने उन्हें कल्याण जिला अदालत में पेश किया था. दोनों को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और आधारवाड़ी जेल भेज दिया गया था. पहले मामले में कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहा कर दिया. हालांकि, पुलिस ने उन्हें फिर से एक अन्य मामले में हिरासत में ले लिया. अब इस अपराध में भी उन्हें जमानत मिल गई है.

बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिगों से छेड़छाड़ के मामले के बाद बदलापुर समेत ठाणे पुलिस स्कूल के प्रिंसिपल की तलाश कर रही थी। हालाँकि, स्कूल संगठन के अध्यक्ष उदय कोटवाल और तुषार आप्टे पुलिस को कड़ी चुनौती दे रहे थे। ये दोनों खुद को पुलिस से बचाने के लिए कर्जत इलाके में छुपे हुए थे. आख़िरकार दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. आखिरकार अब दोनों को जमानत मिल गई है.

स्कूल के प्रिंसिपल को भी जमानत मिल गई

स्कूल प्रिंसिपल अर्चना आठवले ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था. प्रिंसिपल अर्चना आाले को दूसरे मामले में भी जमानत मिल गई है. मामले की जानकारी होने के बावजूद जानकारी छिपाने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. कोर्ट ने उन्हें 25 हजार के मुचलके पर जमानत दे दी है क्योंकि जो धारा लगाई गई है वह जमानती है.

प्रधानमंत्री के हाथों सीवेज योजना का भूमिपूजन

उल्हासनगर. उल्हासनगर के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत योजना 2.0 के तहत उल्हासनगर शहर में मल निस्सारण योजना के तीसरे चरण के लिए ऑनलाइन भूमि पूजन किया। समारोह नई दिल्ली के विज्ञान भवन से ऑनलाइन आयोजित किया गया। उल्हासनगर के सिंधु भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां विधायक कुमार आयलानी, नगर निगम आयुक्त विकास ढाकने और शहर के गणमान्य लोग इस महत्वपूर्ण समारोह में शामिल हुए।

पिछले कुछ दशकों में शहर के सीवर जर्जर हो गए थे। 2005 की बाढ़ के बाद ये सीवर काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो गए थे और इसके कारण शहर का गंदा पानी सीधे उल्हास और वालधुनी नदियों में बहाया जा रहा था। जिसका प्रतिकूल प्रभाव शहर के पर्यावरण एवं पेयजल स्रोतों पर पड़ रहा था। अमृत योजना 2.0 के तहत शहर के लिए 416.66 करोड़ रुपये की सीवरेज योजना स्वीकृत की गई है, जिसमें 228 किमी लंबे सीवरेज, 19-50 डी.एल.एल. का निर्माण

उल्हासनगर में कुष्ठ पीड़ितों के लिए पहला अस्पताल

उल्हासनगर. उल्हासनगर में महानगर पालिका के 15 लाख के फंड से कुष्ठ पीड़ितों के लिए पहला अस्पताल शुरू किया गया है, इसमें कुष्ठ पीड़ितों का इलाज और दवा मुफ्त में की जाएगी.

शहर में एकमात्र कुष्ठ रोग कॉलोनी कैंप नंबर 4 में पानी की आपूर्ति के पास श्री राम मंदिर कॉलोनी में है। उनके लिए कोई अस्पताल नहीं था, इसलिए उन्हें पट्टियों और दवा के लिए भटकना पड़ता था।

इस स्थिति को देखते हुए, नेताजी सुभाष कुष्ठ पीड़ित स्व-रिलायंस एसोसिएशन के अध्यक्ष कलप्पा हाडपद, सलाहकार प्रदीप गायकवाड़, पदाधिकारी अब्दुल शेख, मोहन गुंडारेली, गोपाल नायडू, गणेश भांकुर ने महानगर पालिका प्रशासन से बात की और कुष्ठ पीड़ित कॉलोनी में एक अस्पताल शुरू करने की मांग की।

मनपा द्वारा अस्पताल के लिए 15 लाख रुपए का फंड स्वीकृत करने के बाद आयुक्त विकास ढाकने के निर्देशानुसार लोक निर्माण विभाग के सिटी इंजीनियर तरूण शेवकानी और डॉ. मोहिनी धर्मा की देखरेख में अस्पताल का काम पूरा किया गया। अपर आयुक्त किशोर गावस, सिटी इंजीनियर तरूण शेवकानी, सलाहकार प्रदीप गायकवाड ने फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन किया।

उल्हासनगर मनपा आशा वर्करों को देगी बकाया वेतन

उल्हासनगर. आयुक्त मनपा विकास ढाकने ने मनपा की 250 आशा स्वयंसेवकों का अप्रैल से जून 2024 तक का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है. कमिश्नर के आदेश पर आशा वर्करों ने खुशी जताई।

उल्हासनगर महानगर पालिका में कार्यरत 250 आशा स्वयंसेवकों का पारिश्रमिक महानगर पालिका को राज्य सरकार से प्राप्त हुआ। लेकिन महानगर पालिका ने तीन माह से वेतन नहीं दिया। इसके विरोध में आशा स्वयंसेविका ने विरोध का रुख अपनाते हुए आयुक्त को पत्र दिया. आशा स्वयंसेविकाएं जमीनी स्तर के नागरिकों की सेवा करती हैं और सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाती हैं। सभी प्रकार के सरकारी कार्य उन पर थोप दिये जाते हैं।

अल्प पारिश्रमिक समय पर नहीं मिलने पर कांग्रेस पार्टी की पूर्व

गट नेता अंजलि साल्वे और शहर जिला अध्यक्ष रोहित साल्वे ने कमिश्नर के समक्ष बकाया पारिश्रमिक का मुद्दा उठाया। कोरोना काल में अच्छे काम के लिए आशा स्वयंसेवियों की सराहना के बावजूद पारिश्रमिक को लेकर सरकार और नगर निगम स्तर पर उदासीनता है। प्रदेश के अन्य नगर निगमों में भी आशा स्वयंसेवकों को तत्काल बढ़ा हुआ पारिश्रमिक दिया गया। लेकिन उल्हासनगर महानगर पालिका में यह नहीं दिया गया. साल्वे ने यह जानकारी कमिश्नर के ध्यान में लायी. कमिश्नर ने उनके भुगतान का आदेश दिया।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

जेल में भी जातिवाद

जेलों में जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। इतनी ही प्रशंसा उस रिपोर्ट या याचिका की भी होनी चाहिए, जिसने सदियों से चली आ रही इस बेशर्म कुप्रथा पर प्रहार का जरूरी साहस दिखाया। हकीकत से वाकिफ न्यायालय का यह एक ऐतिहासिक फैसला है। प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने गुरुवार को जेल संहिता में संबंधित प्रावधानों को असांविधानिक घोषित करते हुए जेलों में जाति-आधारित भेदभाव की इस प्रथा को समाप्त कर दिया है। अदालत ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को दोटूक निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जेलों में बंदियों को जाति के आधार पर काम या आवास की सुविधा न दी जाए। अदालत ने माना कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जाति के आधार पर किया जाने वाला भेदभाव औपनिवेशिक शासन का अवशेष है। संविधान के तहत सभी कैदियों से समान व्यवहार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जाति, लिंग व विकलांगता के आधार पर जेलों के अंदर होने वाला भेदभाव पूरी तरह अवैध है। यह बहुत आश्चर्य की बात है कि एकाध कानूनों और जेल नियमों में भेदभाव के प्रावधान अब तक दर्ज हैं। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस फैसले के तीन महीने के अंदर अपने जेल नियमों में संशोधन करना होगा। यह केंद्र सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह जेल मैनुअल 2016 में सुधार करने के साथ ही आदर्श जेल व सुधार सेवा अधिनियम, 2013 में संशोधन करते हुए दर्ज जाति-आधारित भेदभाव को दूर करे। यह बात बहुत चौंकाती है कि विचाराधीन या दोषी कैदियों के रजिस्टर में जाति का कॉलम होता है और जेल अधिकारी ही नहीं, स्वयं कैदी भी जाति देखकर व्यवहार करते हैं। जाति देखकर कैदियों को काम दिया या काम लिया जाता है। अतः जेल में जाति आधारित किसी भी कॉलम को समाप्त करने में ही भलाई है। आगामी वर्षों में जेल अधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि जेलों में जाति प्रथा का अंत हो। साफ-सफाई के काम से हर जाति के कैदियों को जोड़ा जाए। काम किन्हीं खास कैदियों पर लादने के बजाय क्रमवार सभी से कराया जाए, ताकि हर किसी को हर तरह के काम का मौका मिले। यह एहसास कैदियों में पैदा न हो कि किन्हीं खास जातियों के कैदी जेलों में ज्यादा आराम फरमाते हैं।

जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या

जाने-माने बौद्ध विचारक थिच नहत हान ने जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या पर कहा था कि यदि हम उसी रास्ते पर चलते रहे, जिस पर इस समय चल रहे हैं तो निश्चित ही मनुष्य जाति का विनाश हमारे अनुमानों से पहले ही हो जाएगा। जो लोग जलवायु परिवर्तन की स्थिति को समझते हैं और तथ्यों से परिचित हैं, उन्हें इससे कोई असहमति नहीं सकती है।

आश्चर्य तब होता है जब विश्व भर में सत्ता पर काबिज लोग भी वर्तमान रास्ते को बदलने की बात तो लगातार करते हैं, अनेक उपायों की चर्चा भी करते हैं, लेकिन जमीन पर कोई व्यावहारिक बदलाव नहीं हो पाता है। इसका सबसे निकटस्थ उदाहरण है दिल्ली में वायु प्रदूषण की भयावह समस्या।

प्रतिवर्ष वही वादे, वही न्यायालय के नाराजगी भरे निर्णय और उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा लगातार अपनी कर्मठता जाहिर करते देखना मात्र तक ही दिल्ली की नियति बन गई है। वैसे यह समस्या सिर्फ दिल्ली की ही नहीं, देशव्यापी है, विश्वव्यापी है। करीब बीस वर्ष पहले एक ऐसी संभावना बनी थी, जिसमें भारत की नई पीढ़ी को पर्यावरण प्रदूषण से निपटने के लिए तैयार किया जा साकता था, मगर वह राजनीति की भेंट चढ़ गया।

दरअसल सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी को दिसंबर 2003 में निर्देश दिया था कि वह पर्यावरण शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाए जाने के लिए कक्षा एक से लेकर 12 तक का पाठ्यक्रम बनाए, जिसे संस्था ने मार्च 2004 में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। न्यायालय ने उसे सभी राज्य सरकारों

को भेजा।

यह राष्ट्रीय स्तर पर अत्यंत संतोष की स्थिति थी कि सभी राज्य सरकारों ने उस पाठ्यक्रम को स्वीकार किया। साथ ही अपने स्कूल शिक्षा की संरचना में आवश्यक परिवर्तन कर पर्यावरण शिक्षा को एक अलग स्वतंत्र विषय बनाने की बात कही। मई 2004 में केंद्र में नई सरकार आ गई।

चूंकि उक्त निर्णय पूर्ववर्ती सरकार के प्रयास का परिणाम था अतः उसने उस निर्णय को लागू नहीं किया। नीति-निर्धारण स्तर पर जब भविष्यदृष्टि की कमी होती है, तब अनेक ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जिनका आधार शैक्षिक या अकादमिक न होकर कहीं न कहीं राजनीतिक विचारधाराओं के सतत संघर्ष में छिपा होता है।

कल्पना कीजिए कि यदि 20 वर्ष से पहले पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य और स्वतंत्र विषय बना दिया जाता तो देश के प्रशासन में आज युवाओं की एक ऐसी पीढ़ी कार्यरत होती, जिसके मन मस्तिष्क में पर्यावरण रक्षा के प्रति श्रद्धा पैदा हो चुकी होती। संभव है कि उनमें से कोई एक दिल्ली की समस्या को चुनौती मानकर इसका समाधान करने के लिए जी जान से जुट जाता और सफल होता।

इंदौर और सूरत जैसे शहरों में जो सफलताएं स्वच्छता को लेकर मिलीं और सारे देश में इन शहरों की सराहना हुई, उसके पीछे भी कहीं न कहीं एक उत्साहित, अध्ययनशील और भविष्यदृष्टि वाला व्यक्तित्व उपस्थित था। सामान्यजन अब यह समझ चुके हैं कि उत्तरदायी व्यक्ति यदि निष्ठापूर्वक किसी समस्या का समाधान करना चाहे तो रास्ते निकाल सकते हैं और समाधान भी प्राप्त कर सकते हैं।

इसके लिए पहली आवश्यकता यह है कि उन्हें अपने परिवार और करियर के बजाय जनसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाकर आगे बढ़ना होगा। लोकतंत्र कहता है कि जो चयनित जनप्रतिनिधि संवैधानिक पदों पर नियुक्त होंगे वे जनसेवा के कारण ही वहां पहुंचेंगे और इसके बाद वे पूर्णरूपेण अपना सर्वस्व उसी के लिए समर्पित कर देंगे।

यही अपेक्षा तो गांधी, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, आचार्य कृपलानी जैसे मनीषियों ने स्वतंत्र भारत में नेतृत्व प्रदान करने वाले जन प्रतिनिधियों से की थी। दुख की बात है कि उनकी अपेक्षाओं को वर्तमान राजनीतिक और दलगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं की आधी-अधूरी समझ के अंतर्गत पूरी तरह नकार दिया गया है।

हर उस क्षेत्र में जहां जनसाधारण का जीवन प्रभावित होता है, निर्णय ले सकने वालों की स्वार्थपरकता व्यक्ति के लिए कष्टकर स्थितियां ही उत्पन्न करती हैं। जनहित की बड़ी-बड़ी परियोजनाएं इसी कारण अपने लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाती हैं।

जब हम आत्मा की आँखों से जीवन को देखते हैं, तो हमें विश्वास हो जाता है कि प्रभु हमारी संभाल कर रहे हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

त्रासदी के विरुद्ध शांति का पैगाम

पश्चिम एशिया में अब युद्ध का दायरा जिस तरह फैलने की आशंका पैदा हो रही है, उसका सिरा कहां तक जा सकता है और इसके क्या नतीजे हो सकते हैं, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक ही भारत ने चिंता जताते हुए युद्ध में शामिल सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया है और यह भी कहा कि अगर टकराव नहीं रुका तो कहीं ऐसा न हो कि युद्ध समूचे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले ले। दरअसल, हमास के हमले के बाद इजराइल ने जो आक्रामक रुख अख्तियार किया, वह अब लेबनान और ईरान तक को अपने दायरे में ले रहा है और इसमें शामिल सभी पक्ष केवल खुद को सही और पीड़ित मान रहे हैं।

मगर विचित्र है कि युद्ध के बजाय संवाद के जरिए समाधान का रास्ता खोजने के बजाय इजराइल, हमास, हिजबुल्ला या ईरान की ओर से युद्ध की घोषणा, हमला और उसके जवाब में उससे बड़ा हमला करके मसले का हल निकालने का दावा किया जा रहा है। सवाल है कि युद्ध का जो रास्ता खुद ही एक समस्या है, उसके जरिए किसी मसले का हल निकालने की कोशिश कहां लेकर जाएगी?

यह जगजाहिर हकीकत है कि मध्य-पूर्व में कई युद्धों ने उस समूचे इलाके में एक बड़ी त्रासदी खड़ी की।

उससे उबरने में कई देशों को खासा वक्त लगा और अब वहां जब स्थितियां बेहतरी का रुख पकड़ रही थीं, तो अब फिर हालात चिंताजनक बन रहे हैं। स्वाभाविक ही उन इलाकों में रहने वाली आम आबादी के सामने जीवन तक की चुनौती खड़ी हो रही है। दरअसल, भारत की चिंता इस बात से भी जुड़ी हुई है कि अगर इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव ने बेलगाम युद्ध का रास्ता अख्तियार किया, तो उस समूचे इलाके में रहने वाले भारतीयों के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा।

इसी से चिंतित भारत ने यह कहा है कि हम इस समूचे क्षेत्र में अपने नागरिकों की रक्षा के लिए तत्पर हैं। मगर सच यह है कि हिजबुल्लाह के प्रमुख नसरल्लाह की हत्या के बाद इजराइल पर जिस तरह भारी संख्या में मिसाइल दागे गए, उसके बाद अगर युद्ध की स्थितियां अनियंत्रित हुईं, तो उसमें चुनौतियां गहराएंगी। इसी के मद्देनजर भारत ने ईरान में अपने नागरिकों को सतर्क रहने और गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी है।

भारत ने हमेशा युद्ध के बजाय समस्या के हल का रास्ता शांति, संवाद और कूटनीति के जरिए निकालने की वकालत की है। भारत की चिंता इस बात से भी जुड़ी हुई है कि इजराइल और ईरान के बीच टकराव की नई तस्वीर में कहीं दुनिया के और कई देशों के उलझने की स्थिति न बने। दो देशों के बीच जंग से लेकर विश्व युद्धों तक के रूप में दुनिया ने देखा है कि युद्ध का हासिल क्या होता है। इतिहास से लेकर अब तक के तमाम उदाहरण यही साबित करते हैं कि संयम और संवाद के बजाय अगर युद्ध का रास्ता चुना जाता है तो उससे खुद वह मुद्दा भी और ज्यादा जटिल हो जाता है, जिसके हल के लिए ऐसा किया जाता है।

अतीत में युद्ध की वजह से मानवता के सामने खड़े हुए त्रासद संकट से सबक लेने के बजाय अगर आधुनिक माने जाने वाले देश भी सैन्य टकराव को प्राथमिक उपाय मानते हैं, तो इसे कैसे देखा जाएगा? विडंबना यह है कि आमतौर पर युद्ध के बाद थक कर सभी पक्षों को संवाद और कूटनीति के मंच पर ही आना पड़ता है, ताकि आगे शांति कायम की जा सके। इसलिए भारत ने अगर संयम बरतने का आह्वान किया है तो इसके मायने समझे जा सकते हैं।

भतीजी के चेहरे को देखकर बना दी दुर्गा प्रतिमा

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर सागर में बनी मां दुर्गा की प्रतिमा की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं. जो भी इसे पहली बार देखता है, तारीफ किए बिना नहीं रह पाता. मूर्तिकार अंकित विश्वकर्मा ने अपनी 2 साल की भतीजी के चेहरे को देखकर बाल स्वरूप दुर्गा प्रतिमा बनाई है, जिसकी फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. प्रतिमा इतनी पसंद की जा रही है कि उनके पास ऐसी ही मूर्ति बनाने के अगले साल के लिए ऑर्डर आ गए हैं.

जरा हट के

अंकित विश्वकर्मा ने बताया कि वह और उनके 5 भाई मिलकर दुर्गा प्रतिमाओं का निर्माण करते हैं और उनकी प्रतिमाएं देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित की जाती हैं. इस साल उन्होंने पर्यावरण बचाने को लेकर विशेष प्रतिमाएं बनाई हैं. सागर के रवि शंकर वार्ड में विश्वकर्मा आर्ट के नाम से मूर्ति का काम करते हैं. इस साल उनके द्वारा एक से बढ़कर एक लगभग 27

प्रतिमाएं बनाई गई हैं, जिनमें से एक छत्तीसगढ़ के चांपा जिले में स्थापित की जाएगी. यह वही प्रतिमा है, जो भतीजी के चेहरे को देखकर बाल स्वरूप में बनाई है.

10 दिन में तैयार की प्रतिमा

अंकित विश्वकर्मा ने लोकल 18 को बताया कि 10 साल से वह यह काम कर रहे हैं, लेकिन उनके परिवार को यह विरासत में मिला है. माता रानी की कृपा है कि इतनी अच्छी प्रतिमाएं तैयार कर लेते हैं. हमारे पास छत्तीसगढ़ से बाल स्वरूप प्रतिमा बनाने का ऑर्डर मिला था. एक दिन मेरी भतीजी खेल रही थी तो अचानक आइडिया आया कि क्यों न अपनी भतीजी को ही देखकर प्रतिमा तैयार कर दी जाए. इसमें 10 दिन लगे और फिर प्रतिमा को छत्तीसगढ़ भेज दिया.

अंकित ने आगे बताया कि उन्होंने 5 महीने पहले ही इन प्रतिमाओं को अपने भाइयों के साथ मिलकर बनाना शुरू कर दिया था. हम लोग उतने ही ऑर्डर लेते हैं, जितना कम कर पाते हैं. केवल 6 भाई मिलकर ही प्रतिमाएं बनाते हैं. किसी दूसरे का सहारा नहीं लेते. राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में प्रतिमाएं भेजी जाती हैं. वहीं, हस्तशिल्प माटी कला से तीन बार राज्य स्तरीय पुरस्कार भी मिल चुका है.

डेंगू में फायदेमंद है पपीते के पत्ते का जूस

■ प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए कर सकते हैं सेवन

मच्छर जनित रोगों के मामले देशभर में बढ़ रहे हैं। हालिया जानकारियों के मुताबिक कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और राजधानी दिल्ली-एनसीआर, सभी जगह डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मच्छरों के काटने से होने वाली ये बीमारियां कुछ स्थितियों में जानलेवा भी हो सकती हैं। विशेषकर डेंगू और चिकनगुनिया में अगर समय पर इलाज न मिल पाए तो इससे अंगों को भी क्षति पहुंचने का जोखिम देखा जाता रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, सभी लोगों को इससे बचाव के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों में डेंगू की स्थिति गंभीर लक्षणों का कारण बन सकती है जिसको लेकर सावधानी बरतते रहना बहुत जरूरी है।

अगर किसी को डेंगू हो जाए तो समय रहते इसकी जांच जरूर कराएं। डेंगू-मलेरिया के लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं इसलिए जांच के माध्यम से सही निदान और समय पर उपचार प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा बीमारी में किसी भी घरेलू उपाय को प्रयोग में लाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

■ डेंगू में पपीते के पत्तों का जूस

डेंगू के सीजन में पपीते के पत्तों के जूस की काफी चर्चा रहती है। डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट काउंट लो होने की समस्या अधिक देखी जाती है।

माना जाता रहा है कि पपीते के पत्तों का जूस प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा हो सकता है। क्या वास्तव में पपीते के पत्ते का जूस डेंगू के मरीजों के लिए फायदेमंद है? क्या इसके सेवन से प्लेटलेट काउंट

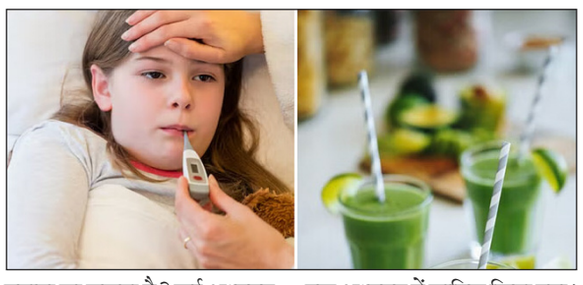

बढ़ाया जा सकता है? कई अध्ययन बताते हैं कि पपीते का फल और इसके पत्तों का जूस दोनों ही कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं, तो क्या इसे डेंगू के उपचार के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है?

■ प्लेटलेट काउंट कैसे बढ़ाएं?

डेंगू के लिए अभी तक कोई विशिष्ट इलाज नहीं है, इसके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए कुछ दवाएं दी जाती रही हैं। क्या पपीते के पत्ते का जूस इसमें लाभकारी है इसे समझने के लिए डॉक्टर्स की टीम ने डेंगू पीड़ितों को एक अध्ययन में शामिल किया गया। मानव अध्ययनों में पाया गया कि पपीते के पत्ते के अर्क से ब्लड प्लेटलेट का स्तर बढ़ सकता है।

■ अध्ययनों से क्या पता चला?

पपीते के पत्तों में प्लेटलेट काउंट बढ़ाने की भी क्षमता होती है। एक अध्ययन के अनुसार, पपीते के पत्तों का उपयोग उन क्षेत्रों में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के इलाज के लिए किया जाता रहा है जहां डेंगू बुखार एंडेमिक है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया ऐसी स्थिति है जो ब्लड प्लेटलेट काउंट कम होने का कारण बनती है। इसके कारण रक्त का थक्का नहीं बन पाता है।

प्लेटलेट्स, रक्तस्राव को रोकने और घावों को ठीक करने के लिए थक्के बनाने में मदद करते हैं। यही कारण है कि प्लेटलेट्स कम हो जाने पर डेंगू की स्थिति में रक्तस्राव का खतरा बढ़ जाता है।

■ डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं?

अब सवाल ये है कि डेंगू हो जाए तो पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं? इस बारे में डॉक्टर कहते हैं, डेंगू की स्थिति को गंभीर माना जाता है इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। इसलिए अगर आपमें लक्षण दिख रहे हैं तो किसी डॉक्टर से मिलकर जांच और समय पर इलाज कराएं। डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस लक्षणों को कम करने में फायदेमंद हो सकता है लेकिन बिना डॉक्टरी सलाह के किसी भी अन्य सहायक उपचार से बचा जाना चाहिए।

घर पर बनाएं बताशा

खाना-खजाना

मीठे बताशे का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व काफी है. लेकिन त्योहारों के टाइम में बाजार में मिलने वाले बताशे कई बार मिलावटी या खराब क्वालिटी के होते हैं. ऐसे में आप घर पर पड़ी सिंपल चीजों की मदद से इसे आसानी से घर पर बना सकते हैं और नवरात्रि या दुर्गापूजा के आयोजनों में प्रसाद के रूप में इस्तेमाल भी कर सकते हैं. तो आइए जानते हैं इन्हें बनाने का सिंपल तरीका.

सामग्री:

- 1 कप चीनी
- 1 कप पानी
- 1/4 चम्मच इलायची पाउडर (वैकल्पिक)
- गुलाब जल या केवड़ा जल (वैकल्पिक)

बनाने की विधि:

सबसे पहले एक कढ़ाई लें और इसमें चीनी और पानी डालकर उसे धीमी आंच पर पकाएं. धीरे धीरे ये चाशनी बनने लगेगी. जब चाशनी गाढ़ी होने लगे, तो उसमें इलायची पाउडर और गुलाब जल

मिला दें. आप चाहें तो इसे नहीं भी डाल सकते हैं.

सावधानी से एक प्लेट में इन्हें निकालें और थोड़ा ठंडा होने का इंतजार करें. अब धीरे-धीरे इसे आकार देते जाएं और अपने डिजाइन का बताशा बनाएं. आप इस चाशनी को प्लेट पर गोल शेप में रख दें और जब ये ठंडा होगा, इसका बताशा बन चुका होगा. ध्यान रहे कि यह तेजी से ठंडा होने लगता है और इसके बाद इसे आकार देना मुश्किल होता है. ऐसा हो तो इसमें हल्का पानी डालकर गैस ऑन कर दें और जैसे ही ये चाशनी सा बने, इसका शेप प्लेट में डालकर बनाते जाएं इस तरह आपका बताशा तैयार है. घर पर बने बताशे पूजा में शुद्ध प्रसाद के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते हैं.

अपने बॉडी लैंग्वेज में लाएं ये पॉजिटिव बदलाव

अगर आपको यह लगता है कि महंगे जूते, स्टाइलिश कपड़े और अंग्रेजी में फरटिदार होने से ही लोग आपकी इज्जत करेंगे या आप कॉन्फिडेंट दिखेंगे, तो बता दें कि यह आपकी गलतफहमी है. अगर आपका बॉडी लैंग्वेज पॉजिटिव है और आप अपने बातचीत के लहजे में कुछ छोटे-छोटे बदलाव लाएं तो भी आप अपनी पर्सनैलिटी को निखार सकते हैं. हम आपको 6 ऐसे आसान शारीरिक बदलाव बता रहे हैं जो आपकी बॉडी लैंग्वेज में पॉजिटिव सुधार लाएंगे. ये बदलाव आपको एक स्ट्रांग, कॉन्फिडेंट और पॉजिटिव छवि बनाने में मदद करेंगे, जिससे लोग आपको और अधिक सम्मान देंगे.

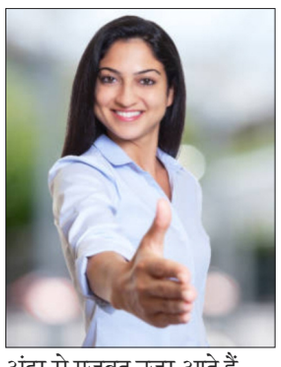

खड़े होने का तरीका- हमेशा अपने पोस्चर को सीधा रखें और कंधों को पीछे की तरफ रखें. आप जब सीधा खड़े होते हैं तो यह आपकी पर्सनैलिटी में एक पॉजिटिव इंप्रेशन लाता है, आप कॉन्फिडेंट दिखते हैं और आप अंदर से मजबूत नजर आते हैं.

आई कॉन्टैक्ट जरूरी- बात करते वक्त इधर-उधर देखने की बजाय अगर आप लोगों की आंखों में देखते हुए बात करेंगे तो इसका पॉजिटिव इंप्रेशन सामने वाले पर पड़ेगा. यही नहीं, लोगों के मन में आपके प्रति इज्जत और भरोसा भी बढ़ेगा. सिर झुकाकर बात न करें.

हाथ मिलाने का तरीका- जब भी किसी से हाथ मिलाना हो तो हमेशा मजबूती के साथ हैंड शेक करें. यह आपकी पर्सनालिटी को कॉन्फिडेंट दिखाता है और आपको प्रोफेशनलिज्म से भरपूर दर्शाता है. कंधे पर हाथ रखना या बॉडी टच कर बात करने जैसी हरकतों से बचें.

पॉकेट में हाथ- कुछ लोग पॉकेट में हाथ रखकर बातचीत करते हैं. ये तरीका सही नहीं माना जाता. हमेशा अपने हाथ को खुला रखें और रिलैक्स होकर बातचीत करें. यह ओपननेस और कॉन्फिडेंस दर्शाता है.

ज्यादा ही हंसना- मुस्कुराते हुए बातचीत करना अच्छी बात है. लेकिन अगर आप कुछ ज्यादा ही हंसकर बात कर रहे हैं तो ऐसा न करें. इस तरह लोग आपको अधिक सिंसियर समझेंगे और आपकी बातचीत को वैल्यू देंगे. शांत होकर बात करें और अपने टोन को नॉर्मल रखकर बात करें.

रिलैक्स ब्रीदिंग- जब भी किसी से बात करें तो अपनी सांस का रिलैक्स रखें और गहरी सांस लेते रहें. इस तरह आप कंपोज रहेंगे और नवर्सनेस को कंट्रोल कर सकेंगे.

पौधों में लग रहा कीड़ा और फंगस? नीम की खली आएगी काम...

बागवानी के शौकीनों के लिए पौधों में कीड़े या फंगल लग जाना एक बड़ी समस्या रहती है. कीड़ों की वजह से पौधों का विकास रुक जाता है और कभी-कभी पौधे मर भी जाते हैं. लेकिन अगर आप इसका नेचुरल उपाय ढूंढ रहे हैं, तो नीम की खल्ली एक बेहतरीन उपाय है. यह न केवल कीड़े और फंगस से पौधों को बचाती है, बल्कि पौधों को पोषण भी भरपूर देती है.

नीम की खल्ली बनाने का तरीका :नीम की खल्ली बनाने के लिए सबसे पहले आप नीम की ढेर सारी पत्तियां और इसके बीज को बटोर लाएं. इन पत्तियों को 3 दिनों तक धूप में अच्छी तरह सुखा लें. जब ये पूरी तरह सूख जाएं तो इन्हें हाथों से मसलकर पाउडर बना लें. आप चाहें तो इन्हें मिक्सी जार में डालकर भी बारीक पीस सकते हैं. अब आप इसे किसी बॉक्स में स्टोर कर लें. नीम की खली इस्तेमाल के लिए तैयार है.

इस का इस्तेमाल : आप नीम के इन खली को कई तरह से पौधों में इस्तेमाल कर सकते हैं. पहला तरीका है कि आप एक बाल्टी पानी में दो कप नीम की खली डालें और कुछ देर छोड़ दें. 4 से 5 घंटे बाद इस पानी को पौधों की पत्तियों, डाल और जड़ों पर अच्छी तरह डालें. दूसरा तरीका है कि आप गमलों की मिट्टी की गुड़ाई कर लें और दो से तीन चम्मच नीम के इस पाउडर को मिट्टी में डाल लें. इस तरह पौधों में कीड़े नहीं लगेंगे और इनको भरपूर पोषण मिलेगा. आप इसे 15-20 दिन के अंतराल पर नियमित रूप से प्रयोग करें.

नीम की खल्ली के फायदे:

-नीम की खल्ली एक प्राकृतिक कीटनाशक और फंगीसाइड के रूप में काम करती है.

-इसमें मौजूद एजाडिरेक्टिन कीटों को पौधों से दूर रखता है.

-यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने का काम करती है, जिससे पौधों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं.

आज का राशिफल

मेष : आज भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी बड़े काम में हाथ डाल पाएंगे।

वृषभ : अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रमाद न करें।

मिथुन : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। कुसंगति से हानि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्य बिलकुल न करें।

कर्क : व्यवसाय-व्यापार से मनोनुकूल लाभ होगा। मेहनत अधिक होगी। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हंसी-मजाक करने से बचें। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे। मातहतों का साथ नहीं मिलेगा। थकान रहेगी। बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। जॉब में लाभ के अवसर टलेंगे।

सिंह : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सभी काम समय पर होने से प्रशंसा प्राप्त होगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। पारिवारिक चिंताओं में कमी होगी। प्रमाद न करें।

कन्या : पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा। लंबी यात्रा की इच्छा रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें।

तुला : कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

वृश्चिक : आज फालतू धन खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अज्ञात भय रहेगा। पारिवारिक सहयोग से प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मकर : योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी से बचें। विवेक का प्रयोग करें। भाग्य का साथ मिलेगा। वरिष्ठों का मार्गदर्शन मिलेगा।

कुंभ : राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। समय की अनुकूलता मिलेगी। आलस्य हावी रहेगा।

मीन : नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी। प्रसन्नता तथा उत्साह का वातावरण बनेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मेरठ में कुट्टू का आटा खाने से 160 लोग बीमार

मेरठ. बिजनौर के बाद अब मेरठ में कुट्टू का आटा खाने से लोग बीमार पड़ गए। नवरात्रि के पहले दिन 160 लोग अस्पताल पहुंच गए। इनमें से ज्यादातर को पेट दर्द, उल्टी दस्त की शिकायत हुई। सभी का शहर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोगों को मामूली तकलीफ होने पर ओपीडी से ही दवा देकर घर भेज दिया गया। मरीजों में सबसे ज्यादा संख्या मुल्तान नगर, ब्रह्मपुरी और शेखपुरा से है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सुबह अस्पतालों का दौरा कर मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी की। पीएल शर्मा जिला अस्पताल में 35 मरीजों का इलाज चल रहा है। सिरोही अस्पताल में 35, रोहटा रोड स्थित जेपी अस्पताल में 25, बागपत रोड स्थित आस्था अस्पताल में 10, शोभापुर बाईपास स्थित दर्शन अस्पताल में 10, रीता नर्सिंग होम में पांच मरीज भर्ती हैं। इसके अलावा काफी मरीज ओपीडी में ही दिखाकर लौट गए। परिवार के लोगों ने बताया कि सभी ने कुट्टू के आटे की पूड़ी और पकौड़ी खाई थी। इसके बाद उन्हें चक्कर आना, पेट दर्द और उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

16 साल से युवती खा रही थी अपने सिर के बाल, पेट से निकली हैरान कर देने वाली चीज

बरेली. बरेली से एक अजब-गजब मामला सामने आया है। जिला अस्पताल में दुर्लभ बीमारी से पीड़ित युवती का ऑपरेशन हुआ और उसके पेट से हैरान कर देने वाली चीज निकली। जिसे देखकर डॉक्टर भी दंग रह गए। दरअसल युवती मानसिक बीमारी ट्राइकोलोटो मेनिया से पीड़ित थी और 16 साल से वह चोरी-छिपे अपने सिर के बाल खा रही थी। जिससे उसके पेट में बालों का गुच्छा बन गया। पेट में बालों का गुच्छा बनने की वजह से दर्द और उल्टी होने पर परिजन जिला अस्पताल लेकर आए थे। डॉक्टर का कहना है कि वह दुर्लभ बीमारी से पीड़ित थी ऐसा कैसे बीते 25 सालों में पहली बार आया है।

पत्नी ने सल्फास खाया तो पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, दंपति की मौत से मचा हड़कंप

लखनऊ. लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक दंपति ने कथिक तौर पर आत्महत्या कर ली। जहां पत्नी ने जहर खाकर जान दी तो वहीं पति ने फांसी लगाकर सुसाइड किया। इस घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। ये घटना ठाकुरगंज थाना का है। प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) श्रीकांत राय ने बताया कि 43 साल का अमित आर्य ई रिक्शा चलाता था। वहीं 47 साल की उसकी पत्नी मोनिका गृहिणी थी। बृहस्पतिवार देर रात दोनों के बीच किसी बात बहस हो गई। जिसके बाद मोनिका ने सल्फास की गोलियां खा ली तो वहीं, अमित फंदे से लटककर जान दे दी। जानकारी के मुताबिक मोनिका किडनी की समस्या से पीड़ित थी।

यूपी में टला एक और रेल हादसा, ट्रैक पर लकड़ी के गुटकों देख इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी ट्रेन

हमीरपुर. हमीरपुर में एक ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बचा। भरुआ सुमेरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर लगाए गए लकड़ी के गुटकों को देख लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दिया। साथ ही स्टेशन प्रबंधक को इस बारे में सूचना दी। जिसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। रेलवे के अवर अभियंता ने कार्यादायी संस्थान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने को कहा है। दरअसल कानपुर-बांदा रेलवे ट्रैक के दोहरीकरण का काम कार्यदायी संस्थान केपीटीएल करा रही है। शुक्रवार को कानपुर से मानिकपुर जाने वाली मेमू ट्रेन शुक्रवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे कस्बे के रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर पहुंचने वाली थी। दोहरीकरण का काम करा रही कंपनी केपीटीएल ने कार्य के लिए पटरियों और प्लेटफॉर्म की दीवार के बीच लकड़ी के गुटके लगा रखे थे। लेकिन काम के बाद इसे हटाया नहीं गया था।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में मुठभेड़, 23 नक्सली ढेर

- AK-47 सहित कई हथियार बरामद

दंतेवाड़ा. छत्तीसगढ़ में एक बार फिर नक्सलियों के खिलाफ पुलिस ने नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा पर बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया है। इस मुठभेड़ में अब तक नक्सलियों को भारी नुकसान होने की खबर मिल रही है। सूत्रों के अनुसार, अब तक 23 नक्सली ढेर किए जा चुके हैं। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने मुठभेड़ जारी रहने की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि मुठभेड़ में सभी जवान सुरक्षित हैं।

नारायणपुर और दंतेवाड़ा की सीमा पर अबुझमाड़ इलाके में जारी इस ऑपरेशन में नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के जवान संयुक्त रूप से भाग ले रहे हैं। मुठभेड़ के साथ साथ जवानों का सर्च अभियान भी जारी है। सूत्रों के अनुसार, मुठभेड़ में 23 नक्सलियों को अब तक जवानों द्वारा ढेर कर दिया गया है। मौके से AK 47, SLR सहित कई अन्य हथियार बरामद किए गए हैं। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार जवानों के संपर्क में हैं।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नारायणपुर के अबुझमाड़ के इलाके में प्रभात कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। लिहाजा लगातार प्रदेश के उच्चाधिकारियों से लेकर बस्तर आईजी पी. सुंदरराज भी पूरे ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए हैं। खबर लिखे जाने तक ऑपरेशन जारी है।

जलेबी वाले बयान पर टिके राहुल गांधी

- बनारसी साड़ियों का दिया उदाहरण
- भाजपा उड़ा रही मजाक

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जलेबी वाले बयान पर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए सोनीपत में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यहां कि जलेबी पूरे देश में बेची जानी चाहिए। उन्होंने जलेबी की फैक्ट्री लगाने की बात कही। इसको लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी का खूब मजाक उड़ाया। BJP ने तंज कसते हुए कहा कि क्या जलेबी फैक्ट्री में बनती है..? अब राहुल गांधी ने अपने बयान को विस्तार से समझाया।

शुक्रवार को एक लंबे ट्वीट में राहुल गांधी ने कहा, ₹हाल ही में मैंने गोहाना की स्वादिष्ट जलेबियों के बारे में बात की और इसे बड़े पैमाने पर बेचने की संभावना पर जोर दिया। भारत में ऐसे 5500 क्लस्टर हैं, जहां छोटे उत्पादक हैं, जो अपने उत्पादों को दुनिया भर में बेच सकते हैं यदि उन्हें सही समर्थन मिले। इन्हें वित्त, तकनीक, नेटवर्क, ब्रांडिंग और बेहतर संगठन की नीतियों की जरूरत है। इस सहायता से दुनिया न केवल हमारी मिठाई का आनंद ले सकती है, बल्कि सोपोर के सेब, बल्लारी की जींस, कोल्हापुरी चप्पल, मेघालय के अनानास, बिहार के मखाने, मुरादाबाद के पीतल के बर्तन और बहुत कुछ का आनंद ले सकती है। बनारसी साड़ियों की वैश्विक सफलता इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि क्या संभव है।

राहुल गांधी ने आगे लिखा, भारत को तीव्र आर्थिक वृद्धि की आवश्यकता है जिससे सभी को लाभ हो, और एक अधिक उत्पादक अर्थव्यवस्था जो वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा कर सके। यह केवल हमारे छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाकर ही किया जा सकता है, न कि मोदीजी की तरह कुछ क्रोनी कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके। इस तरह का समावेशी विकास ही करोड़ों औपचारिक नौकरियों का सृजन करने का एकमात्र तरीका है जिसकी भारत को युवा, शिक्षित और ऊर्जावान पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने और भारत के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यकता है।

यूक्रेन हो या ईरान, सबको PM मोदी से ही आस

ईरानी राजदूत बोले- भारत ही मना सकता है इजरायल को

ईरान द्वारा इजरायल पर 200 मिसाइलों से हमला करने के बाद पश्चिम एशिया में ना सिर्फ भारी तनाव पसरा हुआ है बल्कि बड़े पैमाने पर भयानक युद्ध की आशंका भी घर कर रही है। इस बीच, भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने क्षेत्र में स्थिरता और शांति की बहाली कराने में भारत से हस्तक्षेप करने की मांग की है। ईरानी राजदूत ने कहा, ₹भारत को इस अवसर का लाभ उठाकर इजरायल को क्षेत्र में अपनी आक्रामकता रोकने और शांति और स्थिरता कायम करने के लिए राजी करना चाहिए।₹ ईरानी राजदूत ने कहा कि उनके देश और इजराइल के बीच तनाव को सिर्फ भारत ही कम करवा सकता है।

बता दें कि भारत के दोनों देशों से मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यही वजह है कि ईरानी राजनयिक भारत सरकार से पश्चिम एशिया संकट में शामिल सभी पक्षों से तनाव कम करने और कूटनीति और बातचीत के माध्यम से मुद्दों को हल करने का आग्रह कर रहे हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की थी, जब इजरायली सेना ने हिज्बुल्लाह आतंकियों के खिलाफ अपने उत्तरी पड़ोसी लेबनान में संघर्ष के लिए एक नया मोर्चा खोला था। प्रधानमंत्री मोदी ने तब

दो टूक शब्दों में कहा था कि दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

हरियाणा में आज वोटिंग

हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों के लिए 5 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। इसके लिए प्रदेश में 20,632 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इसके लिए पोलिंग टीमें EVM और वीवीपैट मशीनें लेकर बूथों तक पहुंच गई हैं। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी। वोटिंग के दौरान वोटर अपने साथ मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। राज्य के डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए 29 हजार 462 पुलिसकर्मी, 21 हजार 196 होमगार्ड के जवान तथा 10 हजार 403 एसपीओ तैनात किए गए हैं।

लेबनान के जिहाद में मदद करना मुस्लिमों का फर्ज - खामेनेई

मिडिल-ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने शुक्रवार को अपने उपदेश में लेबनान के लिए जिहाद करने को सभी मुसलमानों का फर्ज बताया। पांच साल के बाद शुक्रवार को उपदेश देने आए खामेनेई को सुनने के लिए भारी भीड़ तेहरान की मस्जिद में मौजूद थी। खामेनेई ने कहा कि हमास और लेबनान के हिजबुल्लाह के सामने इजरायल अब ज्यादा समय नहीं टिकेगा। हमारी सेना ने इजरायल के ऊपर जो हवाई हमले किए वह एकदम सही थे, वह हमारे द्वारा की गई एक सार्वजनिक सेवा थी। इजरायल जिस तरीके से फलस्तीन और लेबनान में नागरिकों का नरसंहार कर रहा है उसके हिसाब से हवाई हमलों की सजा बहुत छोटी थी। हिजबुल्लाह के पूर्व प्रमुख नसरल्लाह को याद करते हुए खामेनेई ने कहा कि आज हमारे बीच हसन नसरल्लाह नहीं हैं लेकिन उनका जज्बा और उनका दिखाया रास्ता हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा। वह हमें यहूदी दुश्मन

के खिलाफ अपना जिहाद का झंडा ऊंचा रखने के लिए प्रेरित करेगा। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम नसरल्लाह की मौत को बेकार ना जाने दें। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि मैं सभी मुसलमानों से कहना चाहता हूं कि लेबनान के लोगों की मदद करने के लिए, लेबनान के लिए, अल अक्सा मस्जिद को बचाने के लिए जिहाद करना सभी मुसलमानों का फर्ज है।

हमास ने 7 अक्तूबर को जो किया सही किया- खामेनेई

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने पिछले साल 7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों द्वारा इजरायल में घुसकर लोगों की हत्या करने के कदम को सही बताया। उन्होंने अपने समर्थन में आई भीड़ से कहा कि इजरायल, फिलिस्तीनियों की जमीन को कब्जा करके बनाया गया है। किसी भी अंतरराष्ट्रीय कानून को यह अधिकार नहीं है कि वह लेबनानी और फिलिस्तीनी नागरिकों को उस कब्जे के खिलाफ खड़े होने से रोक सके। अपने अधिकार को पाने के लिए फिलिस्तीनी लोगों ने जो भी किया वह एकदम सही किया। वह जमीन उनकी है और वह अपनी जमीन के लिए लड़ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- जेल मैनुअल से भेदभाव बढ़ाने वाले नियम हटाएं

- किसी विशेष जाति के कैदियों से सीवर टैंक साफ कराना गलत
- पुलिस कार्रवाई करे

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल से जातिगत भेदभाव बढ़ाने वाले नियमों को हटाने को कहा है। शीर्ष कोर्ट ने कुछ राज्यों को निर्देश दिए हैं कि जेल में जाति के आधार पर काम का बंटवारा न किया जाए।

जेल में जातिगत आधार पर काम के बंटवारे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने गुरुवार को आदेश में कहा कि इन चीजों की अनुमति नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्डर में ये भी कहा कि किसी विशेष जाति के कैदियों से सीवर टैंक साफ कराना गलत है। पुलिस को इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए।

शीर्ष कोर्ट ने राज्य सरकारों को आदेश दिया कि जेल मैनुअल में जातिगत भेदभाव बढ़ाने वाले नियमों में 3 महीने में बदलाव किया जाए।

जनहित याचिका में कहा था- 17 राज्यों की जेलों में कैदियों के साथ भेदभाव

दरअसल, यह मामला एक पत्रकार सुकन्या शांता ने उठाया था। उन्होंने दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की और दलील दी कि देश के करीब 17 राज्यों में जेलों में बंद कैदियों के साथ जाति आधारित भेदभाव हो रहा है।

इस पर पहली सुनवाई जनवरी 2024 में हुई। कोर्ट ने 17 राज्यों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा। छह महीने के अंदर केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया।

सिद्धारमैया के खिलाफ एक और शिकायत

मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) स्कैम मामले में शुक्रवार को लोकायुक्त अधिकारियों ने सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को आवंटित 14 प्लॉट का निरीक्षण किया। आधिकारिक के मुताबिक, मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) और जिला प्रशासन के अधिकारियों के सभी 14 प्लॉट का नाप भी किया।

MUDA मामले में शिकायत करने वालों में से एक सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा भी मौके पर मौजूद रहे। उन्हें लोकायुक्त टीम ने बुलाया था। वहीं, इस मामले में सबूतों को नष्ट करने के आरोप में सिद्धारमैया के खिलाफ नई शिकायत दर्ज हुई। प्रदीप कुमार नाम के व्यक्ति ने ED को लेटर लिखकर शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने सिद्धारमैया व अन्य के खिलाफ सबूतों से छेड़छाड़ के लिए जांच और मामला दर्ज करने की मांग की है।

SC और ST आरक्षण में सब-कोटे के फैसले पर कायम सुप्रीम कोर्ट

- खारिज की पुनर्विचार याचिका

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति को मिलने वाले आरक्षण में उप-वर्गीकरण के अपने फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने 1 अगस्त को ही इस संबंध में फैसला दिया था और कहा था कि यदि राज्य सरकारों को जरूरी लगता है कि एससी और एसटी कोटे के भीतर ही कुछ जातियों के लिए सब-कोटा तय किया जा सकता है। इसका एक वर्ग ने विरोध किया था और आंदोलन भी हुआ था। इसके अलावा याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इन पर ही शुक्रवार को सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने विचार करने से इनकार कर दिया।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली 7 जजों की बेंच ने कहा कि उस फैसले में ऐसी कोई त्रुटि नहीं थी, जिस पर पुनर्विचार किया जाए। अदालत ने कहा, 'हमने पुनर्विचार याचिकाओं को देखा है। ऐसा लगता है कि पुराने फैसले में ऐसी कोई खामी नहीं है, जिस पर फिर से विचार किया जाए। इसलिए पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज किया जाता है।' जस्टिस बीआर गवई, विक्रम नाथ, बेला एम. त्रिवेदी, पंकज मिथल, मनोज मिश्रा और सतीश चंद्र शर्मा इस बेंच में शामिल थे। अदालत ने कहा कि याचिकाओं में कोई ठोस आधार नहीं दिया गया कि आखिर क्यों 1 अगस्त के फैसले पर कोर्ट को पुनर्विचार करना चाहिए।

इन याचिकाओं पर अदालत ने 24 सितंबर को ही सुनवाई की थी, लेकिन फैसला आज के लिए सुरक्षित रख लिया था। इन याचिकाओं को संविधान बचाओ ट्रस्ट, आंबेडकर ग्लोबल मिशन, ऑल इंडिया एससी-एसटी रेलवे एम्प्लॉयी एसोसिएशन समेत कई संस्थाओं की ओर से दायर किया गया था। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने 1 अगस्त को ही 6-1 के बहुमत से फैसला दिया था। इसमें राज्य सरकारों को एससी और एसटी कोटे के सब-क्लासिफिकेशन की मंजूरी दी गई थी। इसके तहत कहा गया था कि यदि इन वर्गों में किसी खास जाति को अलग से आरक्षण दिए जाने की जरूरत पड़ती है तो इस कोटे के तहत ही उसके लिए प्रावधान किया जाता है।

प्रवासी श्रमिक राशन कार्ड मामले में राज्यों को सुप्रीम फटकार

- 6 हफ्ते में काम पूरा करने का निर्देश

नई दिल्ली. प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड देने में विफल रहे राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। कोर्ट ने सख्ती बरतते हुए संबंधित राज्यों के खाद्य और नागरिक आपूर्ति के सचिवों को 6 हफ्ते का समय देते हुए 19 नवंबर तक काम पूरा करने को कहा है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्यों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस विषय पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो दोषी राज्य सचिवों को अदालत की अवमानना की कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा कि इस मामले पर अब हम अपना धैर्य खो रहे हैं। आपने अगर तय समय तक कोई कार्रवाई नहीं की या फिर कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो फिर हम कार्यवाही करने के लिए मजबूर होंगे, हम पहले ही आपको काफी समय दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने अभी तक प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड जारी नहीं किए हैं वह इस अदालत के सामने हलफनामा जारी कर इसका कारण बताएं कि आखिर अभी तक ऐसा क्यों नहीं हो पाया है।

केजरीवाल ने 9 साल बाद CM आवास छोड़ा

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास खाली कर दिया है। वे शुक्रवार दोपहर लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हो गए। यह बंगला पंजाब से AAP के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को दिया गया है। केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, माता-पिता और दोनों बच्चों के साथ शिफ्ट हुए हैं। अशोक मित्तल और उनकी पत्नी ने सभी का अपने घर में स्वागत किया। मित्तल ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा कि केजरीवाल गेस्ट के तौर पर मेरे घर में शिफ्ट हुए हैं। केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने CM आवास और सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का ऐलान किया था। AAP ने कहा था कि केजरीवाल नया घर देख रहे हैं। वे ऐसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां रहने में कोई विवाद न हो।

ICC रैंकिंग- जसप्रीत बुमराह नंबर वन टेस्ट बॉलर

- यशस्वी नंबर 5 से 3 पर आए
- विराट कोहली की टॉप 10 में एंट्री
- रोहित शर्मा बाहर

जसप्रीत बुमराह ICC टेस्ट रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 11 विकेट झटके थे। जिसका उन्हें फायदा मिला है।

बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में बुमराह के नाम 870 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जबकि एक अन्य भारतीय गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन 869 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। रवींद्र जडेजा 809 पॉइंट्स लेकर छठे नंबर पर हैं।

बैटर्स में यशस्वी जायसवाल नंबर-3 पर आ गए हैं, जबकि विराट कोहली की एक बार फिर टॉप-10 में वापसी हो गई है। वे 6 पायदान की छलांग के साथ छठे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, कप्तान रोहित शर्मा को 5 स्थान का नुकसान हुआ है। वे 10वें से फिसलकर 15वें स्थान पर आ गए हैं। जायसवाल और विराट के साथ ऋषभ पंत टॉप-10 में मौजूद तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। इंग्लैंड के जो रूट नंबर-1 पर बने हुए हैं।

गेंदबाजों में टॉप-2 स्थान पर दो भारतीय

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप-2 स्थान पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा बरकरार है। जसप्रीत बुमराह पहले और रविचंद्रन अश्विन दूसरे स्थान पर हैं। पिछले सप्ताह अश्विन पहले और बुमराह दूसरे नंबर पर थे।

रवींद्र जडेजा टॉप-10 में मौजूद तीसरे भारतीय गेंदबाज हैं। वे छठे नंबर पर मौजूद हैं। टॉप-10 गेंदबाजों में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया के भी 3 गेंदबाज मौजूद हैं। जोश हेजलवुड तीसरे, पैट कमिंस चौथे और नाथन लायन सातवें स्थान पर हैं।

टॉप-2 ऑलराउंडर भी भारतीय हैं

टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी टॉप-2 स्थान पर भारतीय खिलाड़ी मौजूद हैं। रवींद्र जडेजा पहले और रविचंद्रन अश्विन दूसरे नंबर पर हैं। अक्षर पटेल (सातवां स्थान) टॉप-10 में मौजूद तीसरे भारतीय ऑलराउंडर हैं।

पहली बार भारत से कैलाश पर्वत के दर्शन हुए

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान 3 अक्टूबर पहली बार भारतीय इलाके से पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन हुए। दर्शन पुराने लिपुलेख दर्रे से हुए। यह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी में स्थित है। हिंदू धर्म में इसका बहुत महत्व है। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है।

इससे पहले तीर्थयात्रियों को पर्वत के दर्शन के लिए तिब्बत जाना पड़ता था। यह भारतीय इलाके से कैलाश पर्वत के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों का पहला जत्था है। पिथौरागढ़ के जिला पर्यटन अधिकारी कृति चंद्र आर्य ने बताया, पहले जत्थे में पांच तीर्थयात्री थे। वे 2 अक्तूबर को गुंजी कैंप पहुंचे। दर्शन के लिए उन्हें 2.5 किलोमीटर की चढ़ाई करनी पड़ी। यह अभिभूत करने वाला अनुभव था। पवित्र कैलाश पर्वत को देखा तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। कुछ महीने पहले ही उत्तराखंड पर्यटन विभाग, सीमा सड़क संगठन (BRO) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के अधिकारियों की एक टीम ने कैलाश पर्वत के स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले स्थान की खोज की थी।

राहुल बोले- बेरोजगारी के जिम्मेदार PM मोदी

- अग्निवीर मजदूर बन जाएंगे, उनका पैसा अडाणी डिफेंस को जा रहा

महेंद्रगढ़. हरियाणा में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी हरियाणा पहुंचे। यहां उन्होंने महेंद्रगढ़ में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में राहुल ने कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी है। इसके जिम्मेदार नरेंद्र मोदी हैं।

उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना का उद्देश्य युवाओं को मजदूर बनाना है। उसका पूरा पैसा अडाणी डिफेंस को जा रहा है। जनसभा के दौरान भाजपा की टिकट पर सिरसा से लोकसभा चुनाव लड़ चुके अशोक तंवर कांग्रेस में शामिल हो गए। इससे पहले राहुल ने नूंह में भी जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि अब मोदी 56 इंच की छाती की बात नहीं करते। उनका चेहरा एकदम बदल गया है।

इसके साथ ही राहुल ने कांग्रेस के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट डालने की अपील की। राहुल ने कहा कि भाजपा को वोट मत देना। राज्य की दूसरी छोटी पार्टियों को भी वोट मत देना, क्योंकि वे भाजपा की ही A, B और C पार्टियां हैं। उनमें और भाजपा में कोई अंतर नहीं है।

मोदी सरकार ने अपने दोस्तों का कर्ज माफ किया

नूंह मुस्लिम बाहुल्य इलाका है, जिसे कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। राहुल गांधी ने यहां से दक्षिण हरियाणा को साधने की कोशिश की। उन्होंने अपने भाषण में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश में नफरत फैला रखी है। BJP और RSS मिलकर देश में संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। राहुल ने अंबानी और अडाणी का नाम लिए बिना कहा कि मोदी सरकार ने अपने दोस्तों समेत देश के 20-25 लोगों का अरबों का कर्जा माफ कर दिया, लेकिन किसानों का कितना कर्जा माफ किया?

संक्षेप...

अधिवक्ता को अग्रिम जमानत देने से इनकार

मुंबईः सत्र न्यायालय ने 62 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अधिवक्ता विनयकुमार खाटू (42) को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। अधिवक्ता के खिलाफ आजाद मैदान पुलिस थाने में उच्च न्यायालय के आदेश में कथित रूप से जालसाजी करने और 2014 से कई कानूनी कार्यवाहियों में उन्हें नियुक्त करने वाली महिला से 62 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया है। खाटू ने अग्रिम जमानत और मामले को रद्द करने के लिए अब बॉम्बे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उनकी याचिकाओं पर उच्च न्यायालय में अभी सुनवाई होनी है। शिकायतकर्ता उर्मिला खान ने दावा किया कि उन्होंने अलीबाग में एक संपत्ति से संबंधित उच्च न्यायालय के मामले सहित विभिन्न कानूनी कार्यवाहियों में खाटू को शामिल किया था।

'अपने हिस्से की 10 फीसदी सीटें अल्पसंख्यकों को दूंगा'

अजित पवार के बयान के बाद बढ़ा महाराष्ट्र का सियासी पारा

मुंबई. महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं. सीट शेयरिंग को लेकर महायुति और महाविकास अघाड़ी लगातार बैठकें कर रहे हैं. इसी बीच, महायुति गुट के हिस्सा एनसीपी नेता अजित पवार ने एक बड़ा ऐलान किया है. अजित पवार ने कहा है कि मैं सभी जाति-धर्म को मानने वाला नेता हूं. मैं अल्पसंख्यक समाज को बताना चाहता हूं की राज्य में जितनी सीट हमारी पार्टी को मिलेंगी उनमें से 10 फिसदी सीट हम अल्पसंख्यक समाज को देंगे. अजित पवार के इस बयान के बाद विपक्षी दलों का रिएक्शन भी सामने आया है.

अजित पवार ने कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कुछ सीटों पर धनुष बाण का निशान होगा, कुछ जगह कमल होगा तो कुछ जगह घड़ी होगी. हमारी महायुति के यह

तीन चुनाव निशान हैं. हम सब ने अभी बैठकर सीट बंटवारा नहीं किया है लेकिन वो होगा. हमारा जहां विधायक है वहां हम ही लड़ेंगे .आप चिंता न करें. जिन लोगों ने अनेक साल तक पार्टी का काम किया उन्हे विश्वास में लिया जाएगा . युवा वर्ग को हम विश्वास मे लेंगे. मैं अल्पसंख्यक समाज को बताना चाहता हूं की राज्य में जितनी सीट हमारी पार्टी को मिलने वाली हैं उनमें से दस फीसदी सीट अल्पसंख्यक समाज को हम देंगे . मैं सभी जाति-धर्म को मानने वाला हूं . बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान सब के लिए समान है .

विपक्षी दलों ने उठाए सवाल

अल्पसंख्यकों को सीट देने के अजित पवार के ऐलान के बाद सपा नेता अबू आजमी ने निशाना साधा है. उन्होंने अजित पवार से पूछा कि यह उनका असली चेहरा है या नकली चेहरा है . उन्होंने कहा कि मुस्लिम उनको वोट नहीं देगा क्योंकि वो बीजेपी के साथ हैं. अजित पवार को पता है कि उन्हें वोट नहीं मिलेगा इसलिए वो अचानक मुसलमानों से इतनी मोहब्बत करने लगे.

पुणे में घूमने गई 21 वर्षीय लड़की से गैंगरेप

पुणे. राज्य सरकारों की तरफ से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर तमाम दावे किए जाते हैं. बावजूद इसके आए दिन महिलाओं के साथ छेड़खानी की खबरें सामने आती रहती हैं. ऐसा ही एक मामला अब महाराष्ट्र के पुणे जिले से आया है. जहां पर एक 21 वर्षीय लड़की से 3 लोगों ने गैंगगेप किया. वहीं, इस दौरान जब लड़की के दोस्त ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसकी भी पिटाई कर दी. फिलहाल पुलिस ने लड़की की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया और जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के मुताबिक लड़की अपने एक दोस्त के घूमने के लिए गई थी. इसी दौरान देर रात सुनसान जगह पर उसे 3 लड़कों ने पकड़ लिया. इसके बाद आरोपी लड़की से छेड़खानी करने लगे. इस दौरान मौजूद लड़की के दोस्त ने जब इसका विरोध किया तो तीनों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी और लड़की के साथ गैंगरेप किया.

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाई गईं 10 टीमें

लड़की देर रात अपने दोस्त के साथ बोपदेव घाट इलाके में घूमने गई थी. जहां रात 11 बजे के करीब उसके साथ गैंगरेप किया गया. घटना की सूचना सुबह करीब 5 बजे पुलिस को दी गई है. आरोपियों की तलाश जारी है. गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच और डीबी की दस टीमें लगाई गई हैं.

पीएम दौरे के पहले पालकमंत्री ने किया स्थल का अवलोकन

ठाणे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 5 अक्टूबर 2024 को ठाणे शहर के वालावलकर मैदान, कासारवाडवली में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण मिशन कार्यक्रम में शामिल होंगे। संरक्षक मंत्री शंभूराज देसाई ने कल शाम, गुरुवार, 3 अक्टूबर को वास्तविक कार्यक्रम स्थल, वालावलकर मैदान, बोरीवाडे में प्रधान मंत्री की यात्रा की योजना की तैयारियों का अवलोकन किया।

ठाणे में पालकमंत्री देसाई ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के जिले में हो रहा है.। उन्होंने निर्देश दिया कि अनुशासन के साथ मिलकर इस आयोजन को सफल बनायें। इस कार्यक्रम में आने वाली प्रत्येक महिला बहन का उचित ख्याल रखा जाए। ठाणे के पालक मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि बिजली आपूर्ति, इंटरनेट सेवा, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए.।

इस अवसर पर ठाणे कलेक्टर अशोक शिंगारे, ठाणे नगर आयुक्त सौरभ राव, ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ठाणे रोहन घुगे, अतिरिक्त कलेक्टर मनीषा जायभाये-धुले, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख, पुलिस उपायुक्त बैठक में परिवहन पंकज शिरासाथ, मुख्यमंत्री कार्यालय विकास आउटे सहित विभिन्न विभागों/कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूदे डिप्टी स्पीकर

■ सुरक्षा जाली पर अटके

मुंबई. महाराष्ट्र के मंत्रालय में अजित पवार गुट के विधायक और विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरी झिरवल मंत्रालय की तीसरी मंजिल से कूद गए। नरहरी झिरवल छत से कूदे और सुरक्षा जाली पर अटक गए। झिरवल के बाद कुछ और आदिवासी विधायक भी कूद गए। हालांकि, नीचे जाली रहने के कारण सभी की जान बच गई। झिरवल धनगर समाज को ST कोटे से आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। नरहरी झिरवल महाराष्ट्र विधानसभा

के उपाध्यक्ष हैं और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के सदस्य हैं।

अपनी ही सरकार के फैसले का विरोध कर रहे डिप्टी स्पीकर

बताया जा रहा है कि वे एकनाथ शिंदे सरकार की तरफ से धनगर समाज को एसटी का दर्जा दिए जाने के फैसले के खिलाफ हैं। वे अपनी ही सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं। नरहरी झिरवल धनगर समुदाय द्वारा आदिवासी समुदाय के आरक्षण में घुसपैठ को रोकने के लिए एक मजबूत रुख अपना रहे हैं। धनगर समाज को आदिवासी कोटे में आरक्षण ना मिले और पेसा कानून के तहत नौकरी भर्ती की मांग को लेकर विधायक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

जाल बना 'सुरक्षा कवच'

बता दें कि आज महाराष्ट्र के आदिवासी समाज के विधायक मंत्रालय में आंदोलन कर रहे हैं। इस दौरान विधायक मंत्रालय के दूसरी मंजिल पर लगाई गई सुरक्षा जाली पर उतर गए और नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने विधायकों को सुरक्षा नेट से हटा दिया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज स्टेशन पर महिला का गैंगरेप

मुंबई : मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनल रेलवे स्टेशन परिसर में एक महिला के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया है. महिला गंभीर हालत में पास के ही हॉस्पिटल में भर्ती हुई थी जहां उसके बयान लिए गए. महिला ने स्टेशन परिसर के अंदर ही 2 लोगों पर रेप करने का आरोप लगाया है. जीआरपी ने मामला दर्ज कर सिटी पुलिस को ट्रांसफर किया है. फिलहाल पूरे मामले में सिटी पुलिस जांच में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनल का है. जहां पर 22 सितंबर को दो आरोपियों ने महिला के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया. आरोपियों ने महिला का मुंह पकड़ा और उसे सुनसान जगह में ले गए. दोनों आरोपियों ने महिला के साथ एक-एक करके रेप किया. इसके बाद वह वहां से फरार हो गए. दोनों आरोपियों ने महिला को धमकाया भी. इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए. महिला जैसे-तैसे घायल हालत में नवी मुंबई के नेरुल स्थित एक हॉस्पिटल में पहुंची.

धारा 4 के अमल में लाने से सूचना आवेदन कम हो जायेंगे -गलगली

मुंबई. बृहन्मुंबई नगर निगम पी/साउथ डिवीजन कार्यालय द्वारा ₹सूचना का अधिकार दिवस₹ का आयोजन किया गया सूचना का अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली ने स्पष्ट राय व्यक्त की कि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 के कार्यान्वयन से सूचना के अनुरोधों की संख्या में कमी आएगी। गलगली ने कहा कि यदि आवेदकों और अधिकारियों के बीच सामंजस्य स्थापित हो जाए तो सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

बृहन्मुंबई मनपा पी/दक्षिण प्रभाग कार्यालय की ओर से गोरेगांव पश्चिम वार्ड कार्यालय सभागार में 'सूचना का अधिकार दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ सूचना अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली और सूचना अधिकार कार्यकर्ता एवं प्रशासनिक मामलों के सलाहकार शरद यादव ने विभाग के सभी जन सूचना अधिकारियों और सहायक जन सूचना अधिकारियों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया तथा उपस्थित लोगों को सूचना के अधिकार के संबंध में समय-समय पर किये गये निर्णयों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन सहायक आयुक्त संजय जाधव ने किया। अनिल गलगली ने आगे कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के साथ-साथ महाराष्ट्र सार्वजनिक रिकॉर्ड अधिनियम, 2005 के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार के कर्मचारियों के स्थानांतरण का विनियमन और सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन में देरी की रोकथाम अधिनियम, 2005 पर ध्यान केंद्रित किया जाए तो अपीलों की संख्या कम हो जाएगी और मुंबई नगर निगम वास्तव में पारदर्शी हो जाएगा।

महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री शिंदे ने अर्पित किए पुष्प

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. शहर में स्थित टेंभीनाका परिसर के आनंद आश्रम में प्रभु श्रीरामचंद्र के वंशज महाराजा अग्रसेन की जयंती के अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हार फूल अर्पित कर पूजा अर्चना किया।मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि आज नवरात्र के पहले दिन अग्रसेन महाराजा की जयंती है और इनके वंशज महाराष्ट्र में लाखों की संख्या में रहते हैं।सभी अग्रसेन महाराजा के अनुयायियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।वहीं समाज सेवक व राजस्थान प्रगती मंडल के अध्यक्ष राकेश मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पिछले एक महीने में तीन कीर्तिमान स्थापित किया है जिसमें पहला 12 समाज के लोगों को भवन दूसरा गौ माता को राज्यमाता का दर्जा और तीसरा राज्य में पहली बार मुख्यमंत्री के हाथों से महाराजा अग्रसेन का पूजा अर्चना किया।यह राष्ट्र ही नही पूरी दुनिया के सनातनी अग्रवाल समाज के लोगों को संदेश दिया है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत समाज की ओर से गौ माता रक्षक की उपाधि से किया गया।इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के, गोपाल लांडगे,मंत्री वीरेंद्र रूंगटा, शिव भाउवाला,महेश गाड़िया,ओमजी कारिवाल, राजेश हलवाई सहित समाज के लोग बड़ी

अमर शहीद संत कंवरराम आर्थिक विकास महामंडल स्थापना करने की CM से मांग

सिंधी समाज के लिए आर्थिक महामंडल की स्थापना जरूरी है: महेश सुखरामनी

उल्हासनगर। अमर शहीद संत कंवरराम आर्थिक विकास मंडल की स्थापना करने की मांग महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के कार्य अध्यक्ष महेश सुखरामनी ने महाराष्ट्र राज्य मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से की है ताकि सिंधी समाज के दुर्बल लोगों को मजबूत बनाया जा सके और उनको रोजगार देकर सिंधी समाज को सक्षम बनाया जाए जिससे वह अपना जीवन यापन कर सके। वर्तमान समय में महेश सुखरामनी महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के कार्य अध्यक्ष है और इस विभाग के मंत्री सुधीर भाऊ मुंगटीवार है। सिंधी समाज को जागृत करने और सिंधी समाज के प्रचार प्रसार के लिए महेश सुखरामनी महाराष्ट्र के कोने-कोने में जा रहे हैं और कई कार्यक्रम आयोजित करके लोगों को जागृत कर रहे हैं जिससे सिंधी समाज अब एकत्रित हो रहा है और सिंधी समाज मांग कर रहा है की अमर शहीद संत कंवरराम आर्थिक विकास महामंडल के नाम से एक महामंडल बनाया जाए और दुर्बल लोगों को आर्थिक व प्रशिक्षण सहायता देकर उनको मुख्य धारा में लाया जा सके जिससे उनका जीवन यापन सुखमय हो। इन्हीं बातों को देखते हुए महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के कार्य अध्यक्ष महेश सुखरामनी ने महाराष्ट्र राज्य मुख्यमंत्री एकनाथ

शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार को लिखित पत्र देकर मांग किया है जैसे अन्य लोगों के विकास के लिए महामंडल बनाया गया है वैसे ही सिंधी समाज के विकास के लिए अमर शाहिद संत कवाराम आर्थिक विकास महामंडल की स्थापना की जाए और सिंधी समाज के दुर्बल लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए इस महामंडल के अंतर्गत कम से कम 50 करोड रुपए का फंड रखा जाए और इस फंड का उपयोग सिंधी समाज के दुर्बल लोगों के लिए उपयोग किया जाए ताकि वह अपनी मुख्य धारा में आ सके और अपना जीवन सुख मय बनाएं। महेश सुखरामनी ने कहा है अमर शहीद संत कंवर राम के नाम से आर्थिक महामंडल की स्थापना जल्द से जल्द की जाए और सिंधी समाज की मांग को पूरा किया जाए। महेश सुखरामनी ने कहा कि जैसे सभी समाजो के साथ में हमारी सरकार ने न्याय किया है उसी तरह सिंधी समाज के साथ में भी न्याय किया जाए बस यही हमारी मांग है

3 दिन बाद अस्पताल से घर लौटे रजनीकांत

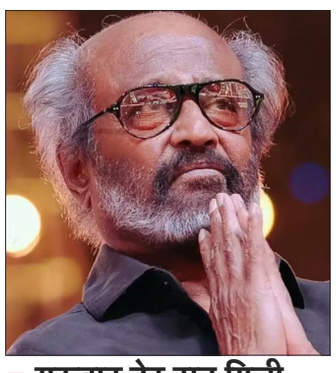

■ गुरुवार देर रात मिली सुपरस्टार को छुट्टी

अभिनेता रजनीकांत की सेहत को लेकर फ्रिकमंद प्रशंसकों के लिए राहत भरी खबर है। सुपरस्टार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, रजनीकांत को कल गुरुवार 11 बजे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। चेन्नई पुलिस ने यह जानकारी दी है।

30 सितंबर को कराए गए भर्ती

रजनीकांत को 30 सितंबर को चेन्नई के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगले दिन उनका एक गैर-सर्जिकल ऑपरेशन किया गया। इसके बाद अस्पताल ने एक मेडिकल बुलेटिन जारी कर पूरी प्रक्रिया का विवरण भी साझा किया था।

सकुशल लौटे घर

डॉक्टरों ने बताया था कि अभिनेता के दिल से जुड़ी रक्त वाहिका में सूजन आ गई थी। बयान में आगे बताया गया था कि सूजन को ठीक करने के लिए गैर-सर्जिकल प्रक्रिया के बाद एक स्टेंट लगाया गया है। अभिनेता की सेहत अब पहले से बेहतर बताई जा रही है। अब वे घर लौट आए हैं। इस खबर से फैंस ने राहत की सांस ली है।

'वेट्टैयन' में नजर आएंगे सुपरस्टार

वर्क फ्रंट की बा करें तो रजनीकांत जल्द ही तमिल फिल्म वेट्टैयन में नजर आने वाले हैं। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन भी स्क्रीन साझा करते हुए दिखेंगे। हिंदी फिल्म हम के बाद दोनों एक साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। इस फिल्म में फहद फाजिल भी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी पूछा था हालचाल

मंगलवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कॉल करके रजनीकांत की हेल्थ का अपडेट लिया था. तमिलनाडु बीजेपी लीडर के. अन्नामलाई ने, पी.एम. मोदी के साथ रजनीकांत और उनकी पत्नी लता का एक पुराना फोटो शेयर करते हुए बताया था, 'अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर रजनीकांत और उनकी पत्नी लता का, प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक पुराना फोटो शेयर किया. अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने टेलीफोन पर, हमारे सुपरस्टार श्री रजनीकांत जी की सेहत को लेकर, श्रीमती लता रजनीकांत से बात की. माननीय प्रधानमन्त्री को सर्जरी के बाद श्री रजनीकांत के हालचाल की जानकारी दी गई और प्रधानमंत्री ने उन्हें जल्दी रिकवरी के लिए विश किया."

उल्हास विकास NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास विकास NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास

ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)

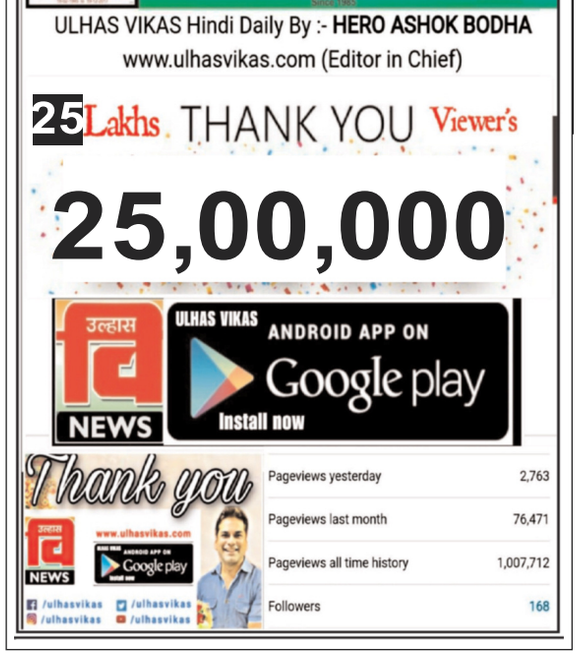

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099